

जागतिक कॉमन्स सप्ताहाचे माध्यमातून जनजागृती

विदर्भ कल्याण/ यवतमाळ

जिल्ह्यातील सामूहिक वन हक्क प्राप्त ग्रामसभा मध्ये फाउंडेशन फॉर इकॉलॉजिकल सिक्युरिटी, यवतमाळ आणि पार्टनर संस्था आयोजित जागतिक कॉमन्स सप्ताह चे आयोजन करण्यात आले. या कॉमन्स सप्ताह मध्ये जगातील वेगवेगळ्या राज्यातून विविध समुदायातील प्रतिनिधि यांची अॅनलाईन बैठक आयोजित केली होती.

अॅनलाईन संमेलन आयोजित करण्यामागचा उद्देश देशातील सामुदायिक व सामूहिक साधन संपत्ति वर काम करणाऱ्या विविध घटकाना एकत्र आणणे आहे. या वेळी FES यवतमाळचे जिल्हा समन्वयक गोविंद पेडणेकर यांनी



माहिती दिली. यावेळी विकेश आणि आनंद यांनी सांस्कृतिक आणि पारंपरिक ज्ञानपद्धती पासून ते डिजिटल आणि इंटरनेट आधारित माहिती दिली. या माध्यमातून सामूहिक वन हक्क धारक यांना प्राप्त अधिकार आणि हक्क विषयी जाणीव जागृती होत आहे. या करिता कार्यरत सर्व फील्ड ट्रेनर आणि मास्टर ट्रेनर सर्व ग्रामसभा मध्ये कॉमन्स वीक साजरा करणे साठी प्रयत्न करीत आहे. यवतमाळ जिल्ह्यात जागतिक कॉमन्स सप्ताहाचे

माध्यमातून सामूहिक वन हक्क धारक यांचे करिता जाणीव जागृती कार्यक्रम मध्ये घाटंजी तालुक्यातील शाळा महाविद्यालय यांचा मोठ्या प्रमाणात सहभाग आहे. ज्यात शि. प्र. म. विज्ञान व गिलानी कला वाणिज्य महाविद्यालय, शि.प्र.म. कन्या शाळा, जिजाऊ आश्रम शाळा खापरी, जि प शाळा शिरोली जि प शाळा रामपूर, जि प शाळा घोटी, बाबासाहेब विद्यालय शिरोली, आदी शाळेचा शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी सदस्य विद्यार्थी यांचा सहभाग होता.

ଜଳବିଭାଜିକା ଦେଲା ଉନ୍ନତ ଜୀବନଜୀବିକା

ଲେପ୍ରିପଡ଼ା, ୩୧୭ (ଇମିସ): ଆଶ୍ରମୀକ ଆଲୋଚନାକ୍ରୂ ‘କମ୍ପୁନିଟି କନ୍ପରେସ୍ ଅଫ୍ କମନ୍ସ’ର ଢୁଟୀୟ ବିବସରେ ଆଜି ଲେପ୍ରିପଡ଼ା ବୁଲକ ଅଞ୍ଚଳରେ ସାହେବତେରା ‘ତ୍ରିବେଣୀ ଜଳ ବିଭାଜିକା’ର ସୁପରିଚାଳନାର ସଂପଳ କାହାଣୀର ଉପସ୍ଥାପନା କରାଯାଇଥିଲା। ସାମ୍ନାହିକ ସମ୍ପର୍କ ପରିଚାଳନା ଏବଂ ଜୀବନଜୀବିକାର ମାନକୁ ଜଳବିଭାଜିକାର ସୁପରିଚାଳନା ମାଧ୍ୟମରେ ଗ୍ରାମବାସୀ କିପରି ଉନ୍ନତ କରିପାରିଛନ୍ତି ତାହା ପ୍ରଦର୍ଶିତ ହୋଇଥିଲା। ଆଲୋଚନାକ୍ରୂରେ ସେବକ ରଙ୍ଗିଆମୁଣ୍ଡାର କର୍ମକର୍ତ୍ତାଙ୍କ ସହିତ ସାହେବତେରା ଗାଁର ୨୦ ଜଣ ମହିଳା ଏବଂ ପୁରୁଷ ଯୋଗଦେଇ ନିଜ ଅନୁଭୂତି କରିଥିଲେ। ତ୍ରିବେଣୀ ଜଳ ଉପରେ ବିଭାଜିକା, ସାହେବତେରା ତରଫରୁ ମୁକ୍ତେଶ୍ୱର ବୁଢା ଓ ପାଉଳିନା ଲାକ୍ରା ଉପସ୍ଥାପନା କରିଥିଲେ। ପାଞ୍ଚାର୍ଯ୍ୟରେ ଗାଁର ସମସ୍ୟା, ସମସ୍ୟାର ସମାଧାନ ପାଇଁ ସାମ୍ନାହିକ ପଦକ୍ଷେପ, ମହିଳା ସଂଗ୍ରହୀକରଣ ପାଇଁ ଯୋଜନା, ସାମ୍ନାହିକ ସହଭାଗିତା ଦ୍ୱାରା ଆସିଥିବା

ପରିବର୍ତ୍ତନ ଏବଂ ବର୍ଷମାନ ଗାଁର ଉନ୍ନତ ଶ୍ଵତି ଉପରେ ଆଲୋକପାତ କରିଥିଲେ। ଗତ ୨୦୧୪-୧୫ ଆର୍ଥିକ ବର୍ଷରୁ ନାବାର୍ତ୍ତ ସହାୟତାରେ ଏହି ଜଳବିଭାଜିକା ପ୍ରକଳ୍ପ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା। ୮୪୮.୩୮ ହେକ୍ଟାର ଜମିରେ ଜମି ମରାମତି, ହିତ ମରାମତି, ପଥର ବନ୍ଦ ନିର୍ମାଣ, ଉପରୁ ବେହି ଆସୁଥିବା ନାଲ ମାନଙ୍କର ଉପୟୁକ୍ତ ଉପରାର, ପୋଖରୀ ଖନନ, ଆଡ଼ିବନ୍ଦ ତିଆରିକରି ବର୍ଷା ଜଳ ସଂରକ୍ଷଣ ଆଦି ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର କର୍ମ୍ୟ କରାଯିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ଶୁମଦାନ ମାଧ୍ୟମରେ ମହିଳା ଓ ପୁରୁଷମାନେ ଦୀର୍ଘ ୪ ଦିନ ନିରକ୍ତର କାମକରି ପ୍ରଣାମାର ପାତ୍ର ହୋଇଥିଲେ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ଅନୁଷ୍ଠାନର ଜଳ ବିଭାଜିକା ଯନ୍ତ୍ରୀ ଅଭିଷେକ ତତ୍ତ୍ଵ, ଜିଲ୍ଲା ସଂଯୋଜିକା ସୁଶ୍ରୀ ବର୍ଷା ସାହୁ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ସମ୍ପାଦକ ପ୍ରଦୀପ କୁମାର ବ୍ରଜ ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କୁ ଉତ୍ସାହିତ କରିଥିଲେ। ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କ ତରଫରୁ ରଞ୍ଜିତ କୁରୁର, ମଧୁସୂଦନ ମାଣ୍ଡୀ, ଦୋଳମଣି ଅମାତ, କମଳା ଲକ୍ରା, ତେଜ ଛୁଟିଆ ପ୍ରମୁଖ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।



ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ସେମିନାରରେ ‘ଖୁରିମାଳ ନୂଆଁଖାଇ’

ସୁନ୍ଦରଗଡ଼, ୪୧୯(ଇମିସ): ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ସେମିନାର ‘କମ୍ୟୁନିଟି କନ୍ଫରେନ୍ସ ଅପ କମ୍ବା’ରେ ପ୍ରୁଦଶ୍ଵିତ ହେଲା ଲେପ୍ରିପଡ଼ା ବୁକ୍ ଖୁରିମାଳ ଗ୍ରାମର ‘ସାମ୍ବୁହିକ ନୂଆଁଖାଇ’। ୧୯ ବର୍ଷ ଧରି ନିରବଛିନ୍ଦୁ ଭାବେ ମାଟି ଓ ମଣିଷର ସମ୍ପର୍କ, କୃଷି ଓ କୃଷକର ପ୍ରକୃତି ପ୍ରତି ଥିବା କୃତଙ୍କତା ତଥା ଭାଇଭାଇ, ପରିବାର-ପରିବାର, ଗାଁଗାଁ ଭିତରେ

ସାମ୍ବୁହିକ ନୂଆଁଖାଇର ମୁଖ୍ୟ ଉଦ୍‌ଦେୟାଙ୍କ୍ତା ଦିଗମ୍ବର ଉପାଧ୍ୟାୟ ଓ ଘଟେଶ୍ୱର ଛୁରାଙ୍କ ନେତ୍ରଭୂରେ ଗାଁର ଅନନ୍ୟ ପରମ୍ପରାର ବଳିଷ୍ଠ ଉପସ୍ଥାପନା କରିଥିଲେ ଖୁରିମାଳ ଗ୍ରାମବାସୀ। ୨୦ ମିନିଟର ଏହି ଉପସ୍ଥାପନା ଶୋଷରେ ଖୁରିମାଳ ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କୁ ଭୂରିଭୂରି ପ୍ରଶଂସା କରିଥିଲେ ଦେଶବିଦେଶର ପ୍ରତିନିଧି ଗ୍ରାମ୍ୟ ସଂଗଠନ,



ଅନାବିଳ ସମ୍ପର୍କ, ଏକତା ଓ ଭାଇଭାଇର ବାର୍ତ୍ତା ବହନ କରୁଥିବା ଏହି ନୂଆଁଖାଇ ଆଭାସୀ ମାଧ୍ୟମରେ ପ୍ରୁଦଶ୍ଵିତ ହୋଇଥିଲା। ଭାରତର ବିଭିନ୍ନ ରାଜ୍ୟ ଓ କେନ୍ଦ୍ରସାମିତ ଅଞ୍ଚଳ ସହ ବାଂଲାଦେଶ, ମାଲେସିଆ, ଶ୍ରୀଲଙ୍କା, କିରଣ୍ଜିପ୍ରାନ୍ତ ପରି ବିଦେଶମାଟିର ହଜାରହଜାର ଲୋକ ଖୁରିମାଳ ଗ୍ରାମର ଏକତା ଓ ସହଭାଗିତାର ଏହି ବିଳଳ ପରମ୍ପରାକୁ ଦେଖି ଭାବବିହୁଳ ହୋଇ ପଡ଼ିଥିଲେ। ସ୍ନେହାସେବୀ ଅନୁଷ୍ଠାନ ସେବକର ବରିଷ୍ଠ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅଧିକାରୀ ତଥା ଖୁରିମାଳ

ଦେଶବିଦେଶର ପ୍ରତିନିଧିଙ୍କୁ ଭାବବିହୁଳ ଜଳା

ଏକତା, ଭାଇଭାଇ ଓ ସହଭାଗିତାର ପ୍ରତ୍ୟେ ଉପସ୍ଥାପନାରେ ଅଭିଭୂତ ହୋଇଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ସେବକ ସମ୍ପାଦକ ପ୍ରଦୀପ କୁମାର ବ୍ରହ୍ମ କହିଥିଲେ, ‘ପୁରାତନ ସଂସ୍କାର ଓ ପରମ୍ପରାକୁ ବଜାୟ ରଖିବାରେ ଖୁରିମାଳ ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କୁ ଏହି ପ୍ରୟାସ ଅନନ୍ୟ ଓ ଅଭୁଳନୀୟ। ଏହା ଅନ୍ୟ ଗାଁ ପାଇଁ ଏକ ସକାରାତ୍ମକ ବାର୍ତ୍ତା ଦେବା ସଙ୍ଗେସଙ୍ଗେ ସୁନ୍ଦରଗଡ଼ର ଐତିହ୍ୟ, ସଂସ୍କାରକୁ ବଞ୍ଚାଇ ରଖିବା ତଥା ଜଳ, ଜମି, ଜଙ୍ଗଳକୁ ସୁରକ୍ଷା ନିମନ୍ତେ ପ୍ରେରଣା ଯୋଗାଇବା’

ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ସେମିନାରରେ ଝୁରିମାଲର ସାମ୍ବୁଦ୍ଧିକ ନୂଆଁଖାଇ ପ୍ରଦର୍ଶିତ

ସୁହରଗଡ଼, ୪୨୭(ସମୟ): ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ସେମିନାର କମ୍ପ୍ୟୁନିଟି କନ୍ପରେନସ୍ ଅଫ୍ କମନ୍ସ୍‌ରେ ବୁଧବାର ଲେଣ୍ଡିପଡ଼ା ବୁକ୍ ଝୁରିମାଲ ଗ୍ରାମର ସାମ୍ବୁଦ୍ଧିକ ନୂଆଁଖାଇ ପ୍ରଦର୍ଶିତ ହୋଇଛି। ଏହି ସେମିନାରରେ ଭାରତର ବିଭିନ୍ନ ରାଜ୍ୟ ଓ କେନ୍ଦ୍ରଶାସିତ ଅଞ୍ଚଳ ସହିତ ବୀଳାଦେଶ, ମାଲେସିଆ, ସେନ, କାରଜାନ୍ତ୍ରିଯାନ୍, ପରି ବିଦେଶ ମାଟିରେ ହଜାର ହଜାର ସଂଖ୍ୟାରେ ଲୋକ ଝୁରିମାଲ ଗ୍ରାମର ଏକତା ଓ ସହଭାଗିତାର ବିରଳ ପରମରାକ ଏକା ସାଙ୍ଗରେ ଦେଖିଥିଲୋ। ସେଇବେଳୀ ଅନୁଷ୍ଠାନ ସେବକର ସହଯୋଗରେ ଭାର୍ତ୍ତାଲ୍ ମୋଡ଼ର ଦିଗାମ୍ବର ଉପାଧ୍ୟାୟ ଓ ଘରେଶର ଛୁରାଙ୍କ ନେହୁବରେ ଗୀ'ର ଅନନ୍ୟ ଅଭିନବ ପରମରାର ବଳିଷ୍ଠ ଉପଥାପନା ଝୁରିମାଲ ଗ୍ରାମବାସୀ କରିଥିଲୋ। ୨୦ ମିନିଟ୍‌ର ଏହି



ଉପଥାପନା ଶେଷରେ ଆୟୋଜକମାନେ ଝୁରିମାଲ ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କୁ ପ୍ରଶ୍ନା କରିଥିଲେ। ପୁରାତନ ଫଂସ୍କୁଡ଼ି ଓ ପରମରାକୁ ବଜାୟ ରଖିବାରେ ଝୁରିମାଲ ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କୁ ଏହି ପ୍ରଯାସ ଅନନ୍ୟ ଓ ଅଭୁଲନ୍ୟାୟ। ଏହା ଅନ୍ୟ ଗୀ' ପାଇଁ ଏକ ସକାରାମକ ବାର୍ତ୍ତା ଦେବା ସହ ଆମର ବୀତିହ, ଫଂସ୍କୁଡ଼ିକୁ ବଂଗାଇ ରଖୁା ଜଳ, ଜମି, ଜଙ୍ଗଲକୁ ସୁରକ୍ଷା କରିବା ନିମନ୍ତେ ପ୍ରେରଣା ଯୋଗାଇବ ବୋଲି

କହିଥିଲୋ। ଝୁରିମାଲ ଗ୍ରାମର ସାମ୍ବୁଦ୍ଧିକ ନୂଆଁଖାଇ' ହେଉଛି ସବୁରୁ ନିଆରା। ନୂଆଁଖାଇ ପରି ଏକ ଗଣପର୍ବତୀ ସାମ୍ବୁଦ୍ଧିକ ଭାବରେ ଏକା ସାଙ୍ଗେରେ ଗୀ'ର ପ୍ରତ୍ୟେକ ପରିବାର ଦାର୍ଯ୍ୟ ୨୭ ବର୍ଷ ଧରି ସାମ୍ବୁଦ୍ଧିକ ନୂଆଁଖାଇ ପାଳନ କରିବାର ଅଭିନବ ପରମରାପ୍ରକୃତପକ୍ଷେ ଅଭିନବ ତଥା ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତ ମୂଳକ ପଦକ୍ଷେପ। ସେହୁଁ ସେବା ଅନୁଷ୍ଠାନ ସେବକର ବରିଷ୍ଠ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅଧିକାରୀ ତଥା ଝୁରିମାଲ ସାମ୍ବୁଦ୍ଧିକ ନୂଆଁଖାଇର ମୁଖ୍ୟ ଉଦ୍ୟୋଗୀ ଦିଗାମ୍ବର ଉପାଧ୍ୟାୟଙ୍କ ଲିଖିତ ବାପ୍ତିବ କାହାଣୀ 'ପରମରାଗକ୍ଷା ଓ ଏକାମତ୍ତା ପୋଷଣ ଝୁରିମାଲର ସାମ୍ବୁଦ୍ଧିକ ନୂଆଁଖାଇ' : ଓଡ଼ିଶାର ହୃଦୟରେ ଏକତା, ଏତିହ୍ୟ ଏବଂ ସମ୍ପାଦିତ ଉତ୍ସବ' ଶାର୍ଷକକୁ ଏକ ଆନ୍ତର୍ଜ୍ୟାତୀୟ ସେମିନାରରେ ପ୍ରଦର୍ଶିତ କରିବା ପାଇଁ ଚୟନ କରାଯାଇଥିଲା।

यवतमाळ जिल्ह्यात जागतिक कॉमन्स सप्ताहाचे माध्यमातून

सामूहिक वन हक्क धारक पांचे करिता जाणीव जागृती कार्यक्रम

प्रकाशन पोर्ट | प्रतिनिधि

यवतमाळ, ता. १ :
 यवतमाळ जिल्हातील माझीहीक
 खन हुक्क प्राप्त प्रामाण्या मध्ये
 पांडेशम करौ इकैलीचिकल
 मिक्युरीटी यवतमाळ आणि
 पांडेर संस्था आयोजित जागतिक
 काउन्स मासाह वे आयोजन
 दिनांक 4, 5 आणि 6 डिसेंबर
 2024 पासून कराव्यात आले.

या कांगड़ा समझ फल्ये
अगलील देशवेगज्ञा इकाणामन
विविध समुद्रायातील गतिनिषि योगी
अनिलाङ्ग बैठक आयोजित केली
असून कांगड़ा वर आयोजित केलेला
समझ अभिसंखेत उद्घा विविध
समुद्रज्ञाना पक्का विवाहयाचा अगली
वे समुद्रायिक, सामूहिक अभिसं
प्रयोगिक साधन संवर्तीचे सोरक्षण अभिसं
प्रयोगिक कारब्बल असाध्याने आहेत.
जेवे करून ते एकज येऊन ह्याच्यात
वैज्ञानिक देखाण घेऊन होईल, तरीवा
सामाजिक इतरी अभिसंधीची
समानता विकायी एकमेकांनी उनुभव
एका विवाहयाचा प्रवट करावूल
या अनिलाङ्ग बैठकीत वैसर्विक
साधन संवर्तीचे व्यावस्थापन संरचन
अभिसंगोष्ठी, दैवतिकिपता, पासी
सुशासन, जर्यांन आणि साधन संवर्तीचे
सुशासन, कौम्भा उत्तरायु उन्ह्या,
काही कौम्भा, पशुपाळा आणि शेती

मंडेप, कौमना आणि उपज्ञेविका
इतर कल्याणकारी पोळना, कौमना
आणि लिंग खेदावाच, कौमना आणि
मंडकुति, कौमना संघर्ष आणि आवृत्तम
इत्यादि बाबीवर गर्वासत्र, अनुभव
कथन आणि यशोगाथा कार्य
करीत अमात्मा असेही आवृत्तमे
या बाबत प्रामाण्याचा मधील
नाशीरिक यांनो मंडेप साधत आहे.

संक्षेप साधनों रे नामिक हे मर्वे सामृद्धिक वन हव्ह क प्राप्त आहेत त्यांनी ल्यावे भाषेत आपले अनुभव कथन केले आहे हे अनेनाह्यान मंगेलन आयोजित काण्डामागता उद्देश देशहातील सामुदायिक व सामृद्धिक माध्यन संपत्ति या काम काण्डाच्या विविध घटकांना एकत्र आणणे आवे असे या वेळी FES यक्कमाहिन्ये विलळा सामन्वयक गोविंद पेडगेंकर यांनी याहिती दिली, त्याच ग्रुपामध्ये त्यावे सहकारी विकेश आणि आनंद यांनी कौमिन्य मर्यादे उडव्या बाबा.

संसाधने (जमीन, पानी, ऊर्जा) आणि
परंपरा या समुदायाने सामृद्धिकीलया
समुदायाव्य
फलवद्याकरिता
(उपजीविकासाठी, निवास करिता)
अव्यवस्थाप्रिय जलन आणि वाहन केलेल्या
आहे. त्यांचे वाहन आणि इच्छेवालित
अव्यवस्थाघन कीरता एकत्रित येण्यात
ठरविलेले निषय, शिळा, सोडकृतिक
यानके विकसित करणे होय.

जैसांगिक संसाधने जरो की जर्मन
पाणी, बन, सामुदायिक स्वप्रेषणकथा
आणि प्राप्तीचे झारही रस्ते प्रसन्नतेचे
किंवा चे प्रसी उत्तराखण्ड्या जागा या
सारखण्ड्या जागा प्रसन्न, सौभेळकी
आणि पारीप्रक्रिक जातपद्धती प्रसन्न ते
डिक्टिल आणि ईरनेट आधारित
माहिती माही याचे कौषम्या उदाहरणे
आहेत या किंवा माहिती दिली.
तेव्हा दिनांक ४,५ आणि ६ डिसेंबर
२०२४ रोजी कृष्णा ओनलाईन बैठक
करिता आवश्यक साधन माहित्य
टीच्या, स्पॉकर, ईरनेट सुविधा आणि



बिठुक नववर्षात्या प्रामाण्यापा स्तरावरून उपलब्ध करावे असणि मासूर्तीक चन हक्क प्राप्त प्रामाण्यापा घेण्ये कीमत्या ला दिलेल, २०२४ आणेहीत वर्षेसाठी सर्व शासकीय कार्यालय, शास्त्र, महाविद्यालय, प्रामाण्य धरात वारंवार सामाजिक मंडळ, महिला कालगट, कुषिंगट, मासूर्तीक चन हक्क घेण्ये कार्यालय सर्व समिक्षी सदस्य यांनी सहभाग असणि साधारणकी नोंदवावी करिता या दूरी आवहन केले आहे. तेच्या खेतमाछ विलासातील सर्व गावात योजना प्रमाणात जागतिक कीमत्या आउवडा ४, ५ असणि ६ डिसेंबर २०२४ येतील माजवा करण्यात येत आहे. या माज्यमासानुन मासूर्तीक चन हक्क घारक योना प्राप्त अधिकार असणि हक्क विषयी जागीच जागृती होत आहे. या करिता कार्यालय सर्व फिल्हांड देना असि मास्टर देना सर्व प्रामाण्याघेण्ये कीमत्या बोक माजवा करणे मार्गी प्रयत्न करित आहे.

बैठक

• ऑनलाइन बैठकीत प्रतिनिधींची विविध विषयांवर चर्चा

सामूहिक वनहक्कधारकांकरिता जाणीव जागृती सप्ताह उत्सवात

यवतमाळ, ब्युरो. जिल्ह्यातील सामूहिक वनहक्क प्राप्त ग्रामसभामध्ये फाउंडेशन फॉर इकॉलॉजिकल सिक्युरिटी, यवतमाळ आणि पार्टनर संस्था आयोजित 'जागतिक कॉमन्स सप्ताह'चे आयोजन बुधवार (दि. 4) ते शुक्रवार (दि. 6) दरम्यान करण्यात आले. या कॉमन्स सप्ताहमध्ये जगातील वेगवेगळ्या ठिकाणावरून विविध समुदायातील प्रतिनिधी यांची ऑनलाइन बैठक आयोजित केली.

या ऑनलाइन बैठकीत नैसर्गिक साधन संपत्तीचे व्यवस्थापन संवर्धन आणि संगोपन, जैवविविधता, पाणी सुशासन, जर्मीन आणि साधन संपत्तीचे सुशासन, कॉमन्स जलवायू क्रिया, शहरी कॉमन्स, पशुपालन आणि शेती संबंध, कॉमन्स आणि उपजीविका इतर कल्याणकारी योजना, कॉमन्स आणि लिंग भेदभाव, कॉमन्स आणि संस्कृति, कॉमन्स संघर्ष आणि आव्हान इत्यादी बाबीवर चर्चासित्र, अनुभव कथन करण्यात आले.

संवाद साधणारे नागरिक हे सर्व सामूहिक वनहक्क धारक आहेत. त्यांनी त्यांच्या भाषेत आपले अनुभव कथन



केले आहे. ऑनलाइन संमेलन आयोजित करण्यामागचा उद्देश देशातील समुदायिक व सामूहिक साधन संपत्तीवर काम करणाऱ्या विविध घटकांना एकत्र आणणे आहे, अशी माहिती जिल्हा समन्वयक गोविंद पेडणेकर यांनी माहिती दिली. त्याच प्रमाणे त्यांचे सहकारी विकेश आणि आनंद यांनी कॉमन्स म्हणजे अश्या जागा, संसाधने आणि परंपरा ज्या समुदायाने सामूहिकरित्या समुदायाच्या फायद्याकरिता व्यवस्थापित जतन आणि वापर केल्या आहे, त्यांचे वापर आणि स्वयंचलित व्यवस्थापन करिता एकत्रित

अधिकार आणि हक्क विषयी जनजागृती

जिल्ह्यातील सर्व गावात मौठ्या प्रमाणात जागतिक कॉमन्स आठवडा 4, 5 ते 6 डिसेंबर दरम्यान साजरा करण्यात आला. या माध्यमातून सामूहिक वनहक्कधारक यांना प्राप्त अधिकार आणि हक्क विषयी जाणीव जागृती होत आहे.

येवून ठरविलेले नियम, शिस्त, सांस्कृतिक मानके विकसित करणे होय, असे त्यांनी सांगितले. याकरिता कार्यरत सर्व फील्ड ट्रेनर आणि मास्टर ट्रेनर यांनी प्रयत्न केले.



ચોટીલા ઠંગા પંથકની માલધારીની ૧૮ વર્ષીય દીકરી ઓનલાઈન પરીષદમાં ગુજરાતનું પ્રતિનિધિત્વ કરે છે

| ચોટીલા |

ચોટીલાના ઠંગા પંથકની ૧૮ વર્ષીય રબારી મહિલા પર્યાવરણના સંરક્ષણ પર યોજાયેલી પરિષદમાં ગુજરાતનું પ્રતિનિધિત્વ કરે છે

કમ્પ્યુનિટી કોન્ફરન્સ ઓન કોમન્સ એક વાર્ષિક ઓનલાઈન પરિષદ છે જ્યાં ગામડાં અને શહેરોના લોકો તેમના સામૂહિક પ્રાકૃતિક સંસાધનો, જૈવવિધતા અને સંસ્કૃતિના સંરક્ષણ વિશે વાત કરે છે. આ પરિષદ કાઉન્ટેશન ઝેર ઈકોલોજિકલ સિક્યોરિટી અને ટાટા ઇન્સ્ટટ્યુટ ઓફ સોશિયલ સાયન્સ જેવા સંગઠનો અને

સંસ્થાઓના એક સમૂહ દ્વારા આયોજિત કરવામાં આવે છે. સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના રેશમિયા ગામની ૧૮ વર્ષીય ભિતલ ટ્રમટાએ ૪ ડિસેમ્બરે આ પરિષદમાં 'રેશમિયા, ગુજરાતમાં પશુઓની સંભાળ માટે વપરાતી પરંપરાગત વનસ્પતિઓ' વિષય પર પ્રસ્તુતિ આપી હતી. ભિતલ રબારી સમાજની એક માલધારી છે. તે ગાયો, ભેંસો અને બકરીઓની સંભાળ રાખે છે અને જંગલના છોડનો ઉપયોગ કરીને પશુઓના રોગોના ઉપચાર કરે છે.



ସାମ୍ବହିକ ସଂପର୍କ ପରିଚାଳନାର ଉକ୍ତଷ୍ଟ ଉଦାହରଣ ତ୍ରୁବେଣୀ ଜଳ ବିଭାଗିକା

ଦୁଇତରକ୍ଷଣ, ୨୦୧୨ (ଜୟ ନାଗାନ୍ଧୀ ଚନ୍ଦ୍ର)

ଆପଣରେକିମୁକ୍ତି ଦେଖିଲାଗ କମ୍ପ୍ୟୁଟର କମ୍ପ୍ୟୁଟର କମ୍ପ୍ୟୁଟର ଏହା କମ୍ପ୍ୟୁଟର ଦୂରୀଯ ଦିବସରେ ସ୍କୁଲ୍‌ବାର ସୁରକ୍ଷାର କିମ୍ବା କମ୍ପ୍ୟୁଟର କୁଳ ଅନ୍ତରେ ପାରିବାରକେ କ୍ରିବେଶା କଳ ବିଜ୍ଞାନିକାର ସ୍କୁଲ୍‌ବାରକାର ପଥକ କିମ୍ବା ଉପରୁପାନୀ କରାଯାଇଥିବା । ସମ୍ମର୍ମିକ ସମ୍ମର୍ମି ପରିଚାଳନା ଏବଂ ତାବନ ତାବନିକ ମାନ୍ୟ ଉତ୍ସବରେ ସୁରକ୍ଷିତକାରୀ ମଧ୍ୟମରେ କହାପି ଜଳନ କହାପିଛିଥିବା ତଥା ସାହେବରେବା କ୍ଲାନସାଥୀଙ୍କ କ୍ଲାନ କିମ୍ବା କମ୍ପ୍ୟୁଟର ମାଧ୍ୟମରେ ପ୍ରଦର୍ଶିତ କରାଯାଇଥିବା । ଏହି ସେବିକରରେ ସେବକ ଗଭୀରାନ୍ତୁରାର କମର୍କଟର୍‌କ ସିର୍ଟ ଅବସରରେ କ୍ରମିକ ୨୦ ଟଙ୍କା ମହିଳା ଏବଂ ମୁକ୍ତି ଯୋଗଦାନ ନିତ ନିତ ଅଭିଭାବ ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି । କ୍ରିବେଶା କଳ ବିଜ୍ଞାନିକା, ସାହେବରେବା କରିପାର



ଭିବେଶ୍ବା ଜଳ ବିଜ୍ଞାନିକା ପର୍ମା ।

ଦୟାକୀ ହାତ କରାଯାଇପାରୁଛି।
କୁଦ୍ରତର ସମୟାର ସମାଧାନ କରି
ଧାର ହାତ ପାଠ ଜାଗି ଜାଗି,
ଏହି କରି ପରିପୂରଣ ହାତ ପାଇ ଆୟୁଷ
ମାନୁଷଙ୍କୁ ସଂଖ୍ୟା କରିଛି। ସାହୁବନ୍ଦରା
ଶୁଣ ଏବତ୍, ସରଜାପାତା ଏହି କିମ୍ବାରୀ

କରାଯାଇପାଇଁଛି । ଏଥାପାଇଁ କରି
ଦିଲ୍ଲୀରେ ହେଲେବାର କାହାରକିମ୍ବା
ଅଭିଭାବକ ପାଇବାର କାହାରକିମ୍ବା
ଏହି ଉତ୍ତିଷ୍ଠାନରେ କ୍ରମବାଧାନ
ଆଗେବାର ଏହାର କାହାରକିମ୍ବା
କାହାରକିମ୍ବା କରିବାକୁଣ୍ଡଳେ
କାହାରକିମ୍ବା କରିବାକୁଣ୍ଡଳେ । ଏହି
ବାର୍ତ୍ତାକାଳର ସେବକର କହ ବିଜାରିକା

ଯତ୍ରା ଅଛିଷେଖ ଚରା, ସୁମ୍ବା ବର୍ଣ୍ଣ
ସାନ୍ତ୍ବା (କିରା ସଂଘାତିକା) ପରିଶାଳନ
କରିଥିଲେ । ସେବନକ ସମାଜକ ପ୍ରଦାତ
କୁଳାଳ ଦ୍ରୁଷ୍ଟ ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କ ଏହି ଅଭ୍ୟାସ
ପରିଭ୍ରମନ ପାଇଁ ଆନ୍ତୁତି ଜଗନ୍ନ ପ୍ରଦାନ
କରିଥିଲେ । ଗ୍ରାମବାସୀ ବରପାନ୍ତ୍ର ଗର୍ଜିନ
ଦୂରୁତ୍ତ, ମଧ୍ୟବୟବନ ମାତ୍ର । ଦୋଷକାରୀ
ଆମାର, କଣଳା ଜକ୍ରା, ତେବେ ଲୁପ୍ତିଆ
ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ୨୦ ଜଣ ଗ୍ରାମବାସୀ
ପରପ୍ରିୟ ଥିଲେ । ସୁମ୍ବା ପାଇଷେଖଙ୍କ
ପଚା ପ୍ରଦାତ ସାନ୍ତ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
ଆନ୍ତୁତିଙ୍କେ ଆଯୋଜିତ ଆରତ୍ତିକି
ଫେରିନାର କୁମ୍ବାନ୍ତି କରିପରେନ୍ଦ୍ର
ଅପ ବନ୍ଦୁଚର କାରଚର ଦେଖି ଭାବ୍ୟ
ଓ କେନ୍ଦ୍ରାଧିକ ଅନ୍ତକ ସହ ଦିନାବେଶ,
ମାର୍ଗପାତା, ବଜାର, କାରେଟିପ୍ରକଳ୍ପ
ବିକଳ ସପ୍ତମ ଓ ସୁମ୍ବାଯତର
ବୋକେ ଅଞ୍ଚଳକଣ କରିଥିଲେ ।

ಅಂತರ್ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಘೇರಿನಾರರೆ ಪ್ರಬರ್ಹಿತ ಹೈಕಾ ಖೂರಿಮಾಲರ ಸಾಮೃದ್ಧಿಕ ನೃಜ್ಞಾನ

ಮುಹೂರತ, ೪/೧೯ (ಕರ್ನಾಟಕ ಮೇಷ್ವಲ್)

ಮುಹೂರತ ಕಿಲಾ ಲೆಪ್ಟಿಪಟ್ಟಾ ಕ್ಲಾ ಖೂರಿಮಾಲ ಗ್ರಾಮರ ಸಾಮೃದ್ಧಿಕ ನೃಜ್ಞಾನ ಹೇಳಿ ಸರ್ವತ್ವ ನಿಶ್ಚಾರಾ। ನೃಜ್ಞಾನ ಪರಿ ಏಕ ಗಣಪರ್ಕ ಸಾಮೃದ್ಧಿಕಾರ ಗಾಂರ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಪರಿಸರ ದಾರ್ಶಿ ೧೭ಬರ್ ಧರಿ ಪಾಲನ ಕರಿಬಾರ ಅರ್ಥಿನಿಬ ಪರಿಸರ ಪ್ರಕೃತಪಕ್ಷ ಅರ್ಥಿನಿಬ ಉತ್ತಾ ನೃಷ್ಟಾತ ಮೂಲಕ ಪದಕ್ಷೇಪಾ। ಷ್ವೇಷ್ಟೋಷೇಬಾ ಅನುಷ್ಠಾನ ಪೆಬಕರ ಬರಿಷ್ಟ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಅಧಿಕಾರಾ ಉತ್ತಾ ಖೂರಿಮಾಲ ಸಾಮೃದ್ಧಿಕ ನೃಜ್ಞಾನರ ಮುಖ್ಯ ಉದ್ದೇಶಾ ದಿಗಾಯರ ಉಪಾಧಾಯಕ ಲಿಖಿತ ಬಾಪ್ತಿಕ ಕಾರ್ಹಾಣೀ "ಪರಿಸರ ರಕ್ಷಾ ಓ ಏಕಾಮೃತ ಪೋಷಣ: ಖೂರಿಮಾಲರ ಸಾಮೃದ್ಧಿಕ ನೃಜ್ಞಾನ: ಉತ್ತಾರ ದುದಯಾಲುಗಾರೆ ಏಕತಾ, ಏತಿಹ್ಯ ಏಂ" ಪ್ರಾರ್ಥಿತ ಉಪಾಧಾಯಕ ಏಕಾರ್ಥಕ್ಕು ಏಕ ಆಂತರ್ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಘೇರಿನಾರರ ಪ್ರಬರ್ಹಿತ ಕರಿಬಾರ ಪಾಕ್ಕ ತಯನ ಕರಾಯಾಡಿಥಲಾ। ಬ್ರಹ್ಮಬಾರ



ಏಹಿ ಆಂತರ್ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಘೇರಿನಾರ ಕರ್ಮಾನ್ವಯಿ ಕನಪರೇನಸ ಅಫ್ ಕಿರ್ಸುರ ರಾಗತರ ಬಿಂಬಿನ ರಾಜ್ಯ ಓ ಕೆಂಪ್ರೊಡಿಟ ಅಂಶಲ ಏಹ ಬಾಂಲಾದೇಶ, ಮಾಲೇಯಿಯ, ಐನ ಪರಿ ಬಿದೇಶ ಮಾಟಿರೆ ಹಿಂದಾರ ಹಿಂದಾರ ಏಷಿಯಾರೆ ಲೋಕೆ ಏಕಾ ಘಾಜರೆ ದೇಶಿತ್ತಲೆ ಖೂರಿಮಾಲ ಗ್ರಾಮರ ಏಕತಾ

ಓ ಸಹಭಾಗಿತಾರ ಬಿಂಬ ಪರಿಸರಾಕ್ಕಾ ಷ್ವೇಷ್ಟೋಷೇಬಾ ಅನುಷ್ಠಾನ ಪೆಬಕರ ಏಷಿಯಾರೆ ಭಾರ್ತುಂಬಾಲ ಮೊಡರೆ ದಿಗಾಯರ ಉಪಾಧಾಯ ಓ ಘಟೆಶರ ಖೂರಿಮಾಲ ನೆಹ್ರೂರ ಗಾಂರ ಅನನ್ಯ ಅರ್ಥಿನಿಬ ಪರಿಸರ ಬಲಿಷ್ಟ ಉಪಾಧಾಯ ಕರಿಬಾರ ಪ್ರಬರ್ಹಿತ ಹೈಕಾ ಖೂರಿಮಾಲ ಗ್ರಾಮರಾಸಾ। ೭೦

ಮನಿತರ ಏಹಿ ಉಪಾಧಾಯ ಶೇಷರೆ ಖೂರಿಮಾಲ ಗ್ರಾಮರಾಸಾಕ್ಕು ಭೂರಿ ಭೂರಿ ಪ್ರಶಾಸ್ತಾ ಕರಿ ಧನ್ಯವಾದ ಜಣಾರಥಲೆ ಆಯೋಜಕಮಾನೆ। ದೇಶ ಬಿಂಬರ ಕೋಶ ಅನ್ನಕೋಶಕ್ಕು ಅಂಶ ಗ್ರಹಣಕಾರೀ ಗ್ರಾಮ ಏಂಬಂ, ಏಕತಾ, ಭಾಜಾರಾ ಓ ಸಹಭಾಗಿತಾರ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಉಪಾಧಾಯರೆ ಕರಿಬಾ ನಿಮಿತ್ತ ಪ್ರೇರಣಾ ಯೋಗಾಳಿದೆ।



सामुदायिक वन प्रबंधन एवं संरक्षण संवर्धन का ग्राम सभा में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया गया प्रदर्शन

सामुदायिक वन संसाधन समिति झिरना पोड़ी द्वारा ग्राम सभा में दी गई प्रत्युति

गौरेला पेंड्रा मरवाही
04 दिसंबर (देशबन्धु)।
वन अधिकार कानून 2006 के अंतर्गत सामुदायिक वन संसाधन अधिकार के तहत प्राप्त ग्राम सभा -झिरनापोड़ी ने अपने ग्राम सभा स्तर पर सामुदायिक प्रबंधन और संरक्षण संवर्धन के तहत किये जा रहे कार्य को सामुदायिक वन संसाधन समिति के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुतीकरण किया गया।

प्रतिवर्ष कि भाँति दिनांक 4 से 6 दिसंबर तक विश्व सामुदायिक ससाह मनाया जा रहा है जिसमें भारत, किर्गिस्तान, स्पेन, मलेशिया और बांग्लादेश में विभिन्न समुदाय द्वारा किये जा रहे जल जंगल जमीन के ऊपर संरक्षण संवर्धन प्रबंधन रख रखाव के लिए किये जा रहे कार्य को एक मंच पर लाने की एफईएस संस्था के द्वारा पहल किया जा रहा है। विदित हो कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ राज्योस्तव दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन - गौरेला पेंड्रा मरवाही आदिवासी विकास विभाग के द्वारा ग्राम सभा झिरनापोड़ी के सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन को अपने स्टाल प्रदर्शनी में शामिल किया गया और प्रोत्साहित किया गया था। आज 4



C
M
Y
K

दिसंबर को ग्राम सभा झिरनापोड़ी के सामुदायिक वन संसाधन समिति के अध्यक्ष राम सिंह मार्को सचिव धर्मेन्द्र सिंह और कोषाध्यक्ष कमल सिंह कोराम के द्वारा अपने सामुदायिक अंतर्राष्ट्रीय सामुदायिक कांफेंस में प्रस्तुत किया गया जिसमें समुदाय के द्वारा सामुदायिक वन संसाधन अधिकार दावा प्रक्रिया और चुनौती के बारे जानकारी दिया गया और समुदाय के द्वारा किये जा रहे प्रबंधन के कार्य जैसे जंगलों को आग से बचाव, अवैध कटाई से रोकना और जैव विविधता संरक्षण पर किये जा रहे कार्य को विस्तार पूर्वक बताया गया जिससे कांफेंस में उपस्थित सभी लोगों ने सराहा। आज के ऑनलाइन कांफेंस बैठक में ग्राम सभा झिरनापोड़ी के जीवन सिंह, बाल कुमार, तौली के उमेन्द्र सिंह पोद्वाम, अशोक यादव नव निर्माण चेतना मंच संस्था चन्द्र प्रताप सिंह, भानमती बाकरे, जय श्री वरकडे और सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग के जिला अध्यक्ष मनीष सिंह धुर्वें उपस्थित थे।

जागतिक कॉमन्स सप्ताहाचे माध्यमातून सामूहिक वन हक्क धारक यांचे जाणीव जागृती कार्यक्रम

दैसायरन/घाटंजी



संघीयी समानता विषयी एकेमेकांने अनुभव एका विचारमांचावर प्रकट करतील या आ॒मलाहिन बैठैती नीरसिंह साधन संस्थांचे व्यवस्थापन संवर्धन आणि संगोषण, जैवविविधता, पानी मुशासन, जमीन आणि साधन संस्थांचे मुशासन, कर्मन्स जलवाया क्रिसा, शहर कर्मन्स, पशुपालन आणि संग्रह, कर्मन्स आणि उज़्जीविका इत्यादीकांसाठी योजना, कर्मन्स आणि लिंग-भेदभाव, कर्मन्स आणि संसुद्धी, कर्मन्स संवर्धन आणि आवाहन इत्यादी वाचीवर

संवाद साधत आहे. संवाद साधयारे नागरिक हे सर्व सामुहिक वकन डक्टक धारक आहेत. त्यांनी त्याचे प्रयोग आपले अनुभव कथ्य केले आहे. हे त्यांनासाठी सर्वसिल आयोजित काळजायामाचा उद्देश देणारीत सामुद्राविक व सामुहिक साधन संस्थित वा कम करण्या या विविध घटकाना एकत्र आणणे आहे. असे या वेळी त्रिहृष्ट वयवमाळाचे जिल्हा समवयक गोविंद पैण्डिकर यांनी माहिती दिली. त्याच प्राप्तांनी त्याच साक्षरतेविकला आणि आनंद यांनी कॉर्मन्स महणजे अस्या

चर्चासत्र, अनुभव
कथन आपि
वशोगाया कारण
कीरी असातान
आखेल्टी आवधने य
बाबत ग्रामसभ
मधील नागरिक वानीने
आहे. संचादा, साधयाणे
मूळीक वन हक्कांच पापाव
वे पापाव आपाले अनुभव
हे. हे और्मालाइन संफिलान
मामगचा उड्डें टेक्सीवाली
मूळीक साथन संस्थांनी वाल
विविध घटकाना एकत्र
प्रसें या वेळी त्रहपूर्व
दहा समन्वयक गोविंदी
हिंही दिली. त्याच प्रमाण
केळ आणि अनांद वानीने
महणजे अस्यु

जागा, संसाधने (जमीन, जल, जंगल) आणि पांपरा ज्या समुद्रावाने सामूहिकरिता समुद्रावाचा फलवद्यकरिता (उपजीविकासाठी, निवास करिता) अवश्यकरित जतन आणि वापर केल्याने अहो लाखी वापर आणि स्वरूपित अवश्यकान वरित एकक्रित येण्याचा ठरविलेले नियम, शिष्टा, संस्कृतिक मानके विकसित करणे होते. नैसर्विक संसाधने यांचे की जमीन, पाणी, वन, समुद्रावाची स्वरूपाकार आणि झारीणे शहरी रस्ते, पानवरे पिण्याचे पानी असलेल्या जागा या सारख्या जागांचा पामूळ, संस्कृतिक आणि पारंपरिक ज्ञानपद्धती पामूळ ते डिजिटल आणि इंटरनेट आधारित माहितीसह ही सर्व कौमांस उद्घारणे अंतर्हा ता विषयी माहिती दिली. तेचा दिनांक ४, ५ आणि ६ डिसेंबर २०२४ रोजी कुम्हा ऑनलाईन तैवारी

करिता आवश्यक साधन सहित टीकी, स्पीकर, इंटरनेट सुविधा आणि बैलून ज्वावस्था आपसमधीन स्तरवरून उपलब्ध करावे आणि सामुहिक वन हक्क प्रपाता आपसमधीन स्वैर्भवन्स वर समर्पित. २०२४ आयोजित काणेसाठी सर्व सांसाकीय कार्यालय, शाळ्य, महाविद्यालय, आणेण भागत कर्वरत सामाजिक संस्था, पर्लिल वचत गट, कुरुक्षेत्र गट, सामुहिक वन हक्क मध्ये कारंवरत सर्व समिती सदस्य यांनी सहभाग आणि सामीलकी नोंदवावी करिता या द्वारा आवश्यक केले आहे तेका वयवसायात जिल्हातील सर्व मायात गोदाना प्रमाणाता जागरिक कॅम्पस आठवडा ५, ५ आणि ६ डिसंबर २०२४ येजी सुजाग करायला आला आहे. या माझमातून सामुहिक वन हक्क धारक यांना प्राप्त अधिकर आणिही हक्क विषी जाणीव जावून होत आहे.

या करिता कर्कंस तर्वं परिलङ्घनेर आपि
मास्टर ट्रेनर सर्वं ग्रामसाथ मन्त्रे कर्म-स
वीक साजरा करणे साठी प्रत्यक् कर्तीत
आहेत. अशा प्रकारे कर्मस वीक,(
सप्ताह आठवडा) 2024 यवतमाळ
जिल्हात साजरा होत आहे.कुपया
यवतमाळ जिल्हात जागतिक कर्म-स
सप्ताहाचे माध्यमानुसारीलिंग जन हक्क
धारक यांचे करिता जाणीव जागृती
कर्कंसमधे घाटजी तातुकातील साव्य
महाविद्यालय याचा मोदुवा प्रमाणात
सहभाग आहे यात शिष्यम् विज्ञान व
गिलानी कला वाणिज्य महाविद्यालय,
शिष्यम् कन्ना साळवा,जिजाऊ आत्रम
साव्य खाण्यापि,जि प साव्य शिरेली जि प
साव्य रामपूर, जि प शाव्य
घोटी, बाबासाहेब विद्यालय शिरेली, आदी
शांत्यांचा शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी
सदस्य विद्यार्थी याचा सहभाग होता.